महानगर
वर्ष-4, अंक-141, पृष्ठ: 14
मूल्यः एक रुपये

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक RNI/NO/UPHIN49792/16/4/2021

सच की अहमियत

कानपुर | शुक्रवार, 7 फरवरी 2025 | कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड से एक साथ प्रकाशित सूचना प्रसारण मंत्रालय एवं भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड

फसल अवशेष प्रबंधन संबंधी चलाया ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता पंकज अवस्थी

कानपुर – चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम रायपुर में फसल अवशेष प्रबंधन हेतु ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें किसानों ने बढ़कर का हिस्सा लिया।वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने खेती में फसल अवशेषों को खेतों में मिलने वाली मशीनों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।फसल अवशेषों को जलाने से होने वाली हानियों के बारे में भी अन्नदाताओं को समझाया। साथ ही जमीन में कम हो रहे सूक्ष्म पोषक तत्वों के बारे में भी लाभकारी जानकारी दी। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने कृषकों से अपील की कि वे अपने खेतों में फसल अवशेष न जलाएं ऐसा करने से मृदा एवं पर्यावरण को क्षति पहुंचती है। साथ ही उन्होंने किसानों को बीज उत्पादन कर आमदनी बढ़ाने की भी सीख दी। पराली नहीं जलाएंगे, खेत में मिलाएंगे।फसल अवशेषों का सुंदर काम, उपज बढ़ाने में इनका योगदान। घर-घर देना है संदेश, अब न जलाएं फसल अवशेष।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील कृषक राम सिंह, बच्ची लाल, अशोक कुमार, मोहनलाल, रामेश्वर सहित एक सैकड़ा से अधिक कृषक एवं महिला कृषक उपस्थित रहे।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-38 शुक्रवार, 07 फरवरी 2025 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

फसल अवशेष प्रबंधन संबंधी चलाया ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम रायपुर में फसल अवशेष प्रबंधन हेतु ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें किसानों ने बढ़कर का हिस्सा लिया।वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने खेती में फसल अवशेषों को खेतों में मिलने वाली मशीनों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।फसल अवशेषों को जलाने से होने वाली हानियों के बारे में भी अन्नदाताओं को समझाया। साथ ही

जमीन में कम हो रहे सूक्ष्म पोषक तत्वों के बारे में भी लाभकारी जानकारी दी। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने कृषकों से अपील की कि वे अपने खेतों में फसल अवशेष न जलाएं ऐसा करने से मृदा एवं पर्यावरण को क्षति पहुंचती है। साथ ही उन्होंने किसानों को बीज उत्पादन कर आमदनी बढ़ाने की भी सीख दी। पराली नहीं जलाएंगे, खेत में मिलाएंगे।फसल अवशेषों का सुंदर काम, उपज बढ़ाने में इनका योगदान। घर-घर देना है संदेश, अब न जलाएं फसल अवशेष। कार्यक्रम को सफल बनाने में शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील कृषक राम सिंह, बच्ची लाल,अशोक कुमार, मोहनलाल, रामेश्वर सहित एक सैकड़ा से अधिक कृषक एवं महिला कृषक उपस्थित रहे।

वर्ष : 17 अंक : 037 लखनऊ शुक्रवार, 7 फरवरी 2025 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

मौसम
सूर्योदय
सूर्यास्त
अधिकतम
न्यूनतम

नगर संस्करण

सीएसए ने आयोजित किया फसल अवशेष प्रबंधन के लिए जागरूकता कार्यक्रम

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम रायपुर में फसल अवशेष प्रबंधन हेतु ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें किसानों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने खेती में फसल अवशेषों को खेतों में मिलाने वाली मशीनों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी साथ ही फसल अवशेषों को जलाने से होने वाली हानियों के बारे में भी अन्नदाताओं को समझाया। साथ ही जमीन में कम हो रहे सूक्ष्म पोषक तत्वों के बारे में भी लाभकारी जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने कृषकों से अपील की, कि वे अपने खेतों में फसल अवशेष न जलाएं। ऐसा करने से मृदा एवं पर्यावरण को क्षति पहुंचती है। साथ ही उन्होंने किसानों को बीज उत्पादन करके आमदनी बढ़ाने की भी सीख दी। जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में गांव के प्रगतिशील कृषक राम सिंह, बच्ची लाल,अशोक कुमार, मोहनलाल, रामेश्वर एवं महिलाओं सहित सैकड़ो कृषक उपस्थित रहे।

अंक-334 कानपुर, शुक्रवार 7 फरवरी 2025 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

फसल अवशेष प्रबंधन संबंधी चलाया ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम रायपुर में फसल अवशेष प्रबंधन हेतु ग्राम स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें किसानों ने बढ़कर का हिस्सा लिया।वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने खेती में फसल अवशेषों को खेतों में मिलने वाली मशीनों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।फसल अवशेषों को जलाने से होने वाली हानियों के बारे में भी अन्नदाताओं को समझाया। साथ ही जमीन में कम हो रहे सूक्ष्म पोषक तत्वों के बारे में भी लाभकारी जानकारी दी। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने कृषकों से अपील की कि वे अपने खेतों में फसल अवशेष न जलाएं ऐसा करने से मृदा एवं पर्यावरण को क्षति पहुंचती है। साथ ही उन्होंने किसानों को बीज उत्पादन कर आमदनी बढ़ाने की भी सीख दी। पराली नहीं जलाएंगे, खेत में मिलाएंगे।फसल अवशेषों का सुंदर काम, उपज बढ़ाने में इनका योगदान। घर-घर देना है संदेश, अब न जलाएं फसल अवशेष। कार्यक्रम को सफल बनाने में शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील कृषक राम सिंह, बच्ची लाल,अशोक कुमार, मोहनलाल, रामेश्वर सहित एक सैकड़ा से अधिक कृषक एवं महिला कृषक उपस्थित रहे।